अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के विभिन्न न्यायपंचायतों में मुख्य एवं सीमान्त श्रमिक कार्यशील महिलाओं का तुलनात्मक अध्ययन (2001—2011)

कु0बबीता, शोध छात्रा, हे0न0ब0 गढवाल विश्वविद्यालय,श्रीनगर गढवाल।
डॉ0 एल0 पी0 लखेडा, असिस्टेंट प्रोफेसर, हे0न0ब0 गढवाल विश्वविद्यालय,श्रीनगर गढवाल।
इन्द्र सिंह कोहली, असिस्टेंट प्रोफेसर,(गैस्ट फैकल्टी), रा0 स्ना0 महा0 नागनाथ पोखरी, चमोली।

सारांशः—

वर्तमान समय में महिलाओं के प्रति हमारा परिदृश्य बदल रहा है। महिलाओं की भागीदारी सभी क्षेत्रो में उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है। महिलाओं को हर स्थान पर पुरुष की पूरक के रुप में देखा जाता है। देखा जाए तो किसी भी स्थान पर महिलाओं के बिना किसी भी परिवार या समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। 21 वीं सदी के आर्थिक विकास, औद्योगिकरण, वैश्वीकरण, में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से महिलाओं की भागीदारी निरन्तर बढती जा रही है। महिलाओं के कार्य करने से एक और आर्थिक वृद्धि हो रही है और दूसरी और महिला सशिक्तकरण, महिला व पुरूष के बीच का श्रमिक अनुपात परिवर्तित हो रहा है। भारतीय जनगणना द्वारा श्रमिकों को मुख्य रूप से दो वर्गो में विभाजित किया गया है मुख्य श्रमिक एवं सीमान्त श्रमिक। वह श्रमिक जो कि वर्ष में 6 महीने से अधिक कार्य करता है मुख्य श्रमिक की श्रेणी में आता है एवं जो श्रमिक एक वर्ष में 6 माह से कम कार्य करता है वह सीमान्त श्रमिक की श्रेणी में आता है। जनगणना विभाग द्वारा पुनः मुख्य श्रमिकों को चार भागों में बॉटा गया है जो कि किसान, कृषि मजदूर, घरेलु उद्योग के श्रमिकों एवं अन्य श्रमिकों में विभाजित किया गया है। भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार भारत में 48.43% महिलाएँ है। ग्रामीण भारत में महिलाएँ ज्यादातर प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप कृषि कार्यो में सलग्न है। 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में कुल महिला श्रमिक 31.62% थी जबकि महिला श्रमिकों के अन्तर्गत मुख्य श्रमिकों का प्रतिशत 23.27%, सीमान्त श्रमिक 60.92%, महिला किसान 32.90% थी। वर्तमान अध्ययन के लिए अगस्त्यमुनि विकासखण्ड (रूद्रप्रयाग जनपद) का चयन किया गया है जो कि हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड के गढवाल मण्डल के रूद्रप्रयाग जनपद में स्थित है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के अन्तर्गत 13 न्यायपंचायतें आती है जिसमें महिलाओं की मुख्य व सीमान्त श्रमिकों के अन्तर्गत तुलनात्मक अध्ययन जनगणना वर्ष 2001 एवं 2011 के अनुसार किया जाएगा।

कुंजी शब्द— महिलाएँ, मुख्य श्रमिक, सीमान्त श्रमिक।

अध्ययन क्षेत्र— अगस्त्यमुनि विकासखण्ड उत्तराखण्ड राज्य के जनपद रूद्रप्रयाग के तीन विकासखण्डों में से एक है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड का अक्षाशीय विस्तार 30^0 10′ 15″ उत्तरी अक्षांश से 30^0 29′ 45″ के मध्य एवं देशान्तरीय विस्तार 78^0 55′ 30″ पूर्वी देशान्तर से 79^0 11′ 00″ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के पश्चिम में पोखरी विकासखण्ड, उत्तर में उखीमठ विकासखण्ड, पूर्व में कर्णप्रयाग विकासखण्ड अवस्थित है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में ग्रीष्मकालीन समय में औसत

तापमान 20 से 30 के मध्य रहता है जबकि जनवरी माह में औसत तापमान 6^0, फरवरी माह में 8^0 व मार्च में औसतन तापमान 14^0 रहता है।

अध्ययन के उद्देश्यः— प्रस्तुत शोधपत्र के अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में महिला जनसंख्या के अन्तर्गत मुख्य एवं सीमान्त कार्यशील महिला जनसंख्या का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

अध्ययन/शोध विधि तन्त्र

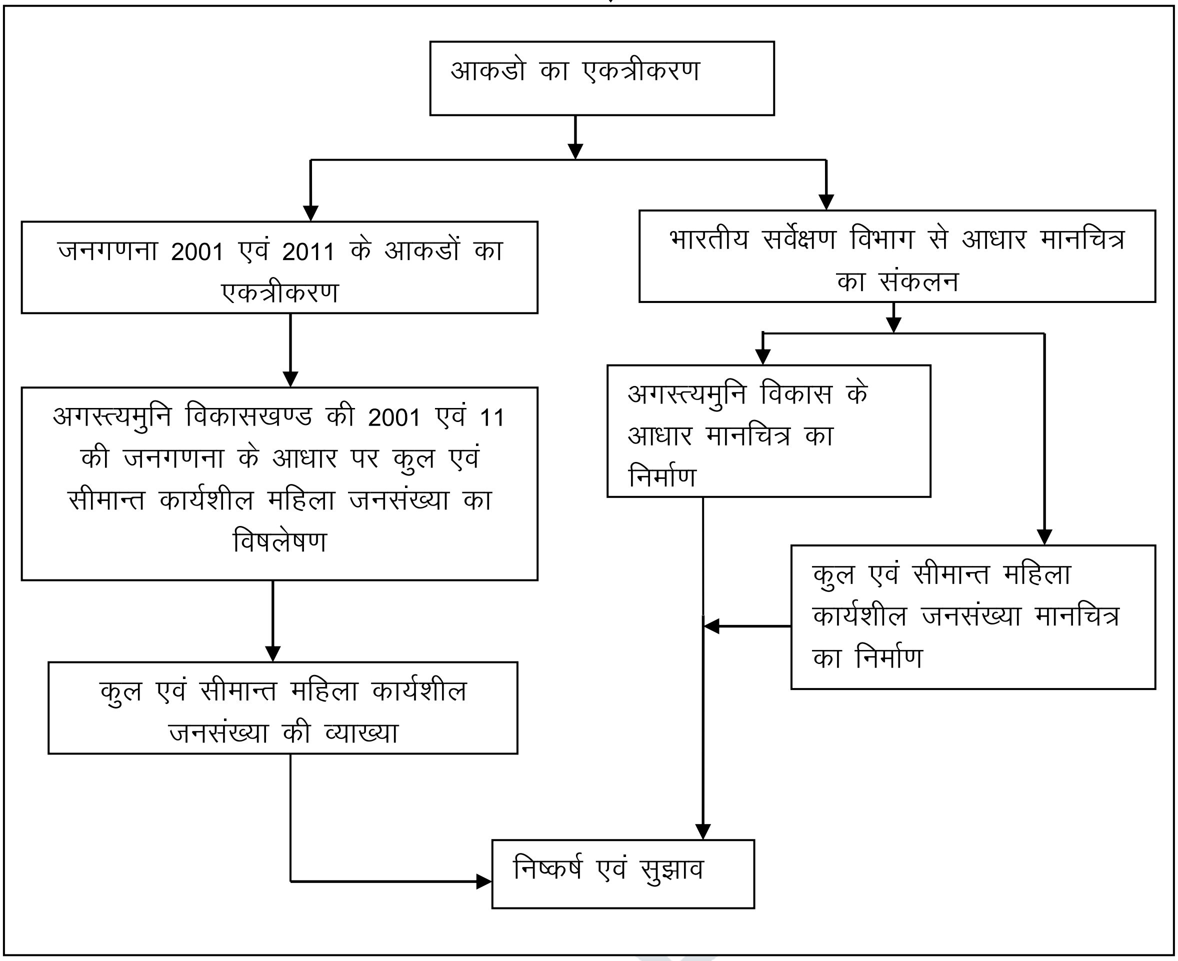

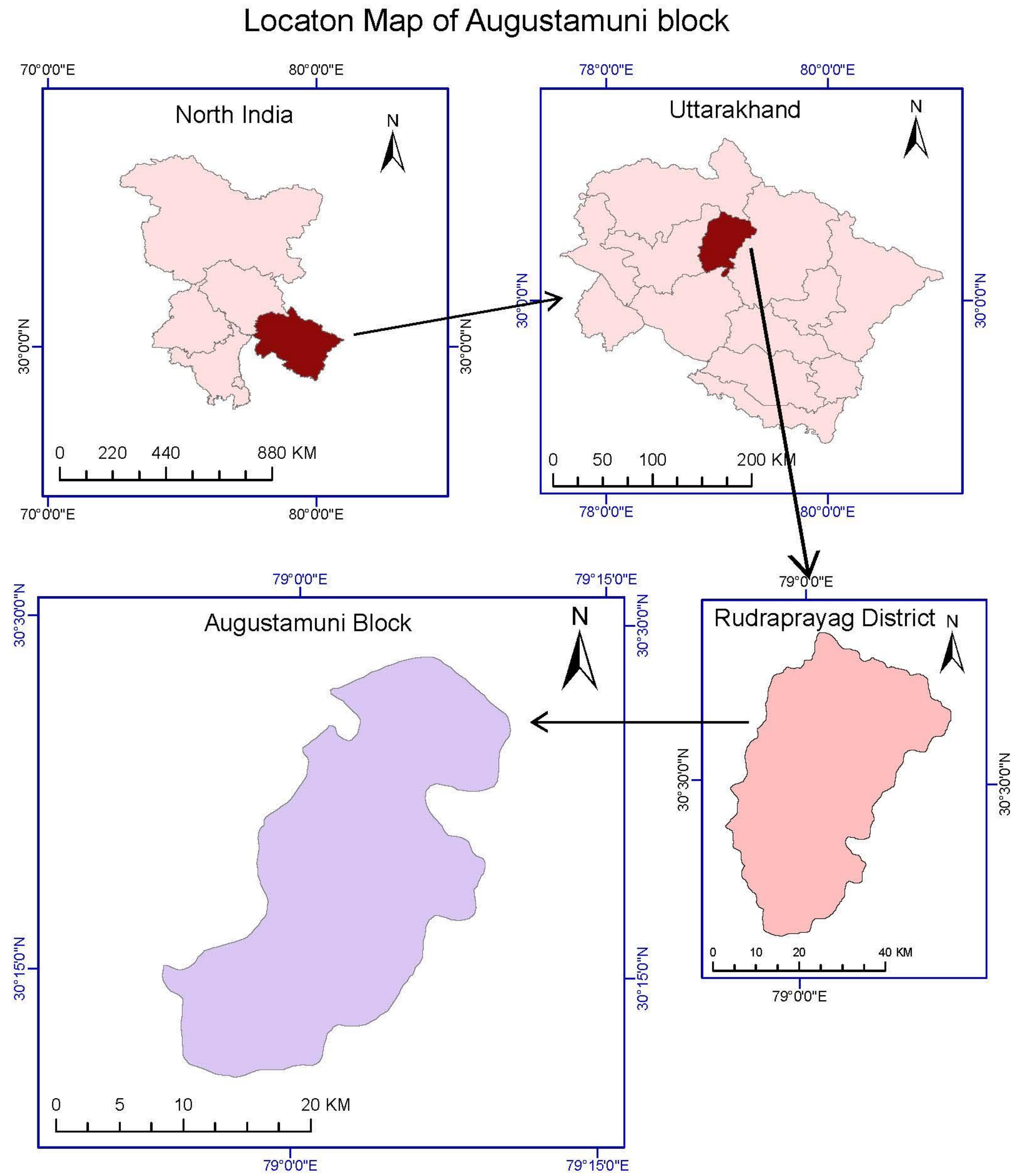

मुख्य एवं सीमान्त श्रमिकों की परिभाषा:– भारतीय जनगणना विभाग के द्वारा समय–समय पर श्रमिकों की परिभाषाएँ देशकाल एवं परिस्थितियों के आधार पर परिवर्तन की जाती रही है। श्रमिकों के वर्गीकरण की व्याख्या आर्थिक आधार एवं वर्ष में कार्य दिवासों की कुल संख्या के आधार पर किया

गया है। वर्तमान समय में मुख्य श्रमिकों की श्रेणी के अन्तर्गत वे श्रमिक आते है जो एक वर्ष में 6 माह (183 दिन) से अधिक कार्य करते है एवं इसके विपरीत सीमान्त श्रमिकों की श्रेणी के अर्न्तगत उन श्रमिकों को सम्मिलित किया जाता है जो एक वर्ष में 6 माह से कम समय में काम करते है। जनगणना विभाग के द्वारा श्रमिकों को निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है। "श्रमिक वे है जो किसी भी प्रकार के आर्थिक क्रिया में योगदान देते है चाहे कार्य की प्रकृति शाररीक हो या मानसिक श्रमिक कहलाते है।"

अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के न्यायपंचायतों में महिलाओं की मुख्य एवं सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का तुलनात्मक अध्ययन (2001 एवं 2011)

तालिका 1 में अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में जनगणना 2001 एवं 2011 के अनुसार महिलाओं की मुख्य एवं सीमान्त कार्यशील जनसंख्या को प्रदर्शित किया गया है। 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में कुल कार्यशील जनसंख्या 39.11% जिसमें से पुरूषो की कुल कार्यशील जनसंख्या 51.68% एवं महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या 25.63% थी। 2001 की जनगणना के अनुसार ही भारत में मुख्य कार्यशील जनसंख्या 77.81% जिसमें पुरूषों की मुख्य कार्यशील जनसंख्या 87.32% एवं महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या 57.26% थी। 2001 की जनगणना के अनुसार अगस्त्यमुनि विकासखण्ड की महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या 72.60% थी जो कि 2011 में घटकर 60.58% हो गयी है।

2001 की जनगणना के अनुसार अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के 13 न्यायपंचायतों में महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत उच्छाढुगी न्यायपंचायत में 89.65% एवं न्यूनतम प्रतिशत मायकोटी न्यायपंचायत में 40.96% अंकित हुआ। इसके विपरीत 2011 की जनगणना में महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत चन्द्रापुरी न्यायपंचायत में 90.55% एवं न्यूनतम चोपता न्यायपंचायत में 51.1% अंकित की गयी। इस प्रकार अगस्त्यमुनि के 13 न्यायपंचायतों में महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत तीन न्यायपंचायतों में राष्ट्र की महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या के प्रतिशत से कम (मायकोटी में 40.96%, सतेराखाल में 53.11% एवं मरोडा में 54.95%) एवं 10 न्यायपंचायतों में राष्ट्र की महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या के प्रतिशत से अधिक है जो क्रमशः भीरी में 79.44%, चन्द्रापुरी में 66.63%, अगस्त्यमुनि में 77.84% चोपता में 74.55%, चोपडा में 80.22%, पीपली में 65.67%, पौरीखाल में 87.39%, सारी में 75.33% एवं सम्पूर्ण अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में यह 72.7% है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल कार्यशील जनसंख्या 39.79% है जबकि पुरूषों की कुल कार्यशील जनसंख्या 53.26% एवं महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या 25.51% मात्र है। 2011 की जनगणना के आधार पर अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या 2001 के सापेक्ष –12.12% घटकर 60.58%हो गयी है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के 13 न्यायपंचायतों में महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या में पॉच न्यायपंचायतों का प्रतिशत 60% से कम है जो कि इस प्रकार है– अगस्त्यमुनि में 54.06%, चोपता में 51.1%, सुमेरपुर में 31.65%, मरोडा में 55.73% एवं सारी में 32.55% है। इसके विपरीत विकासखण्ड के 8 न्यायपंचायतों में महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत क्रमशः उच्छाढुगी में 81.18%, भीरी में 73.35%, चन्द्रापुरी में 90.55%, मायकोटी में 70.02%, सतेराखाल में 66.04%, पीपली में 66.19%, पौरीखाल में 64.26%, एवं सम्पूर्ण अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में 60.58% है।

जनगणना वर्ष 2001 के अनुसार भारत में सीमान्त कार्यशील जनसंख्या मात्र 22.1% थी जो कि 2011 में बढकर 24.8% हो गयी है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में 2001 के अनुसार विकासखण्ड में महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या 27.29% थी जो देश के कुल प्रतिशत से अधिक है। विकासखण्ड में महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत क्रमशः उच्छाढुगी में 10.34%, भीरी में 20.55%, अगस्त्यमुनि में 22.15%, चोपता में 25.44%, मायकोटी में 59.03%, सतेराखाल में 46.88%, सुमेरपुर में 19.65%, चोपडा में 19.77%, पीपली में 34.32%, पौरीखाल में 12.6%, सारी में 24.66%, एवं मरोडा में 45.04% है। इस प्रकार अगस्त्यमुनि विकासखण्ड की 8 न्यायपंचायतों में महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत देश के कुल सीमान्त कार्यशील जनंसख्या प्रतिशत 22.1% से अधिक है

2011 के अनुसार देश में सीमान्त कार्यशील जनसंख्या प्रतिशत 24.8% है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में 2011 के अनुसार महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत 39.41% है जो कि देश के कुल प्रतिशत से अधिक है एवं भारत में 2011 के अनुसार महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या 40.4% है। विकासखण्ड के 13 न्यापंचायतों में महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या क्रमशः उच्छाढुगी में 18.81%, भीरी में 26.64%, चन्द्रापुरी में 9.44%, अगस्त्यमुनि में 45.93%, चोपता में 48.89%, मायकोटी में 29.97%, सतेराखाल में 33.95%, सुमेरपुर में 68.34%, चोपडा में 46.13%, पीपली में 33.8%, पौरीखाल में 35.73%, सारी में 67.44% एवं मरोडा में 44.26% है।

तालिका: 1

अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के न्यायपंचायतों मे महिलाओं की मुख्य एवं सीमान्त कार्यशील जनसंख्या प्रतिशत में (2001 एवं 2011)					
		2001		2011	
क्र0सं0	न्यायपंचायत	मु0 कार्य0 जन0	सीमा0 कार्य जन0	मु0 कार्य0 जन0	सीमा0 कार्य जन0
1	उच्छाढुगी	89.65	10.34	81.18	18.81
2	भीरी	79.44	20.55	73.35	26.64
3	चन्द्रापुरी	66.63	33.36	90.55	9.44
4	अगस्त्यमुनि	77.84	22.15	54.06	45.93
5	चोपता	74.55	25.44	51.1	48.89
6	मयकोटी	40.96	59.03	70.02	29.97
7	सतेराखाल	53.11	46.88	66.04	33.95
8	सुमेरपुर	80.34	19.65	31.65	68.34
9	चोपडा	80.22	19.77	53.86	46.13
10	पिपाली	65.67	34.32	66.19	33.8
11	पौरीखाल	87.39	12.6	64.26	35.73
12	सारी	75.33	24.66	32.55	67.44
13	मरोडा	54.95	45.04	55.73	44.26
14	अगस्त्यमुनि वि0	72.7	27.29	60.58	39.41

चित्र: 1

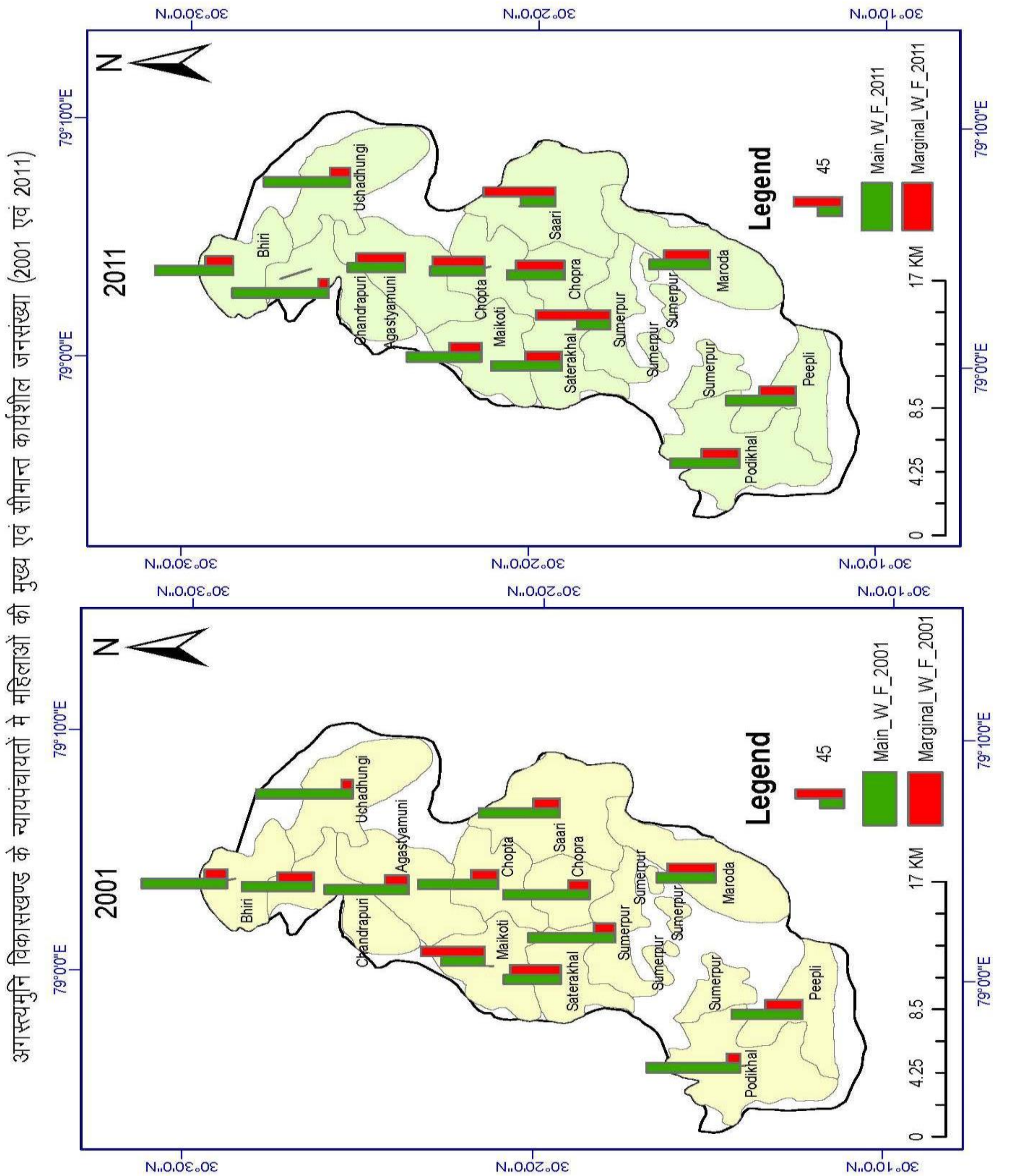

आरेख 1

अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के न्यायपंचायतों मे महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या (2001 एवं 2011)

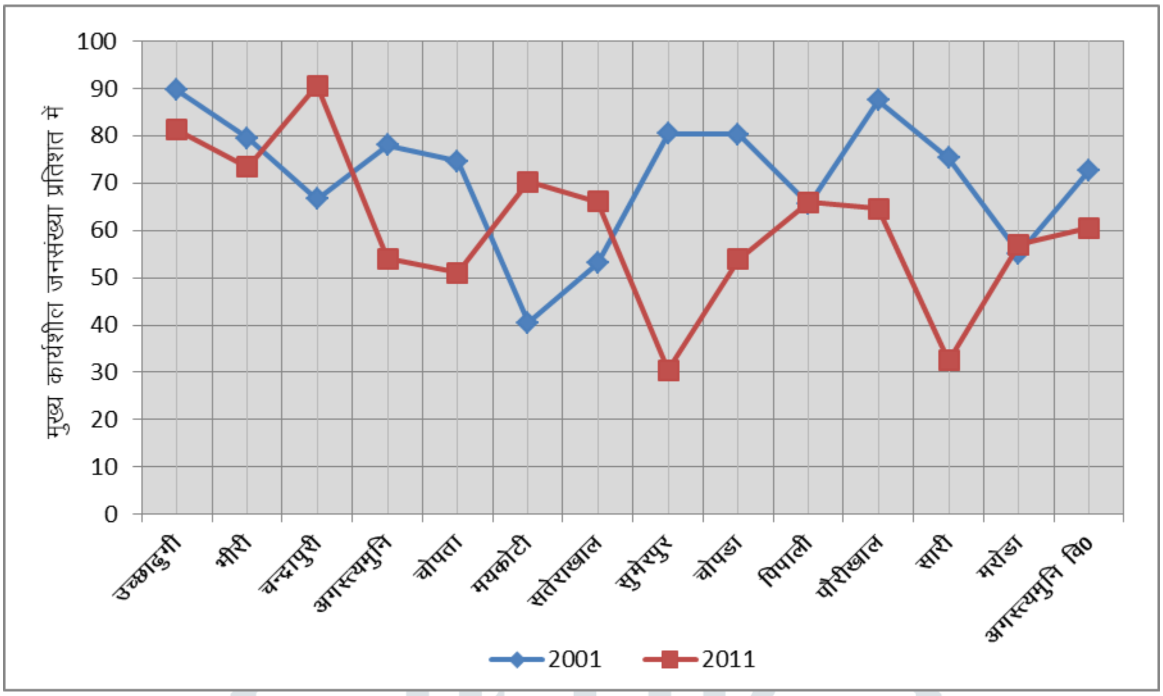

आरेख 2

अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के न्यायपंचायतों मे महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या (2001 एवं 2011)

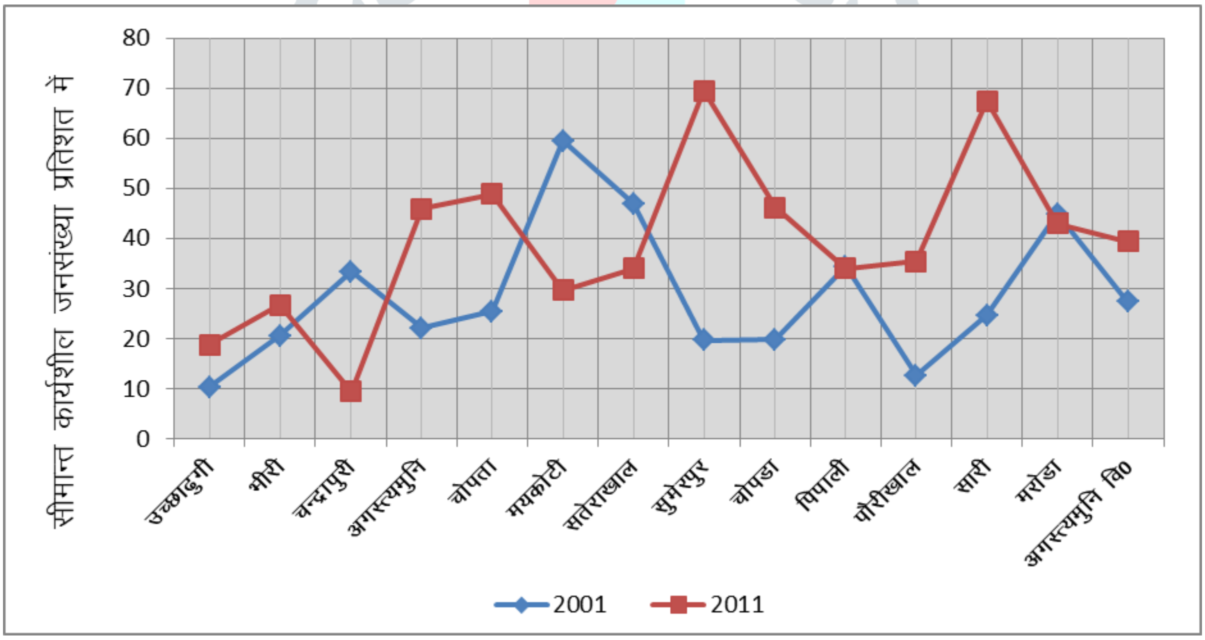

निष्कर्ष

अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में जनगणना वर्ष 2001 के अनुसार महिलाओं की मुख्य कार्यशील जनसंख्या 72.7% है जो कि जो कि 2011 में 12.12% घटकर 60.58% हो गयी जबकि भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार महिलाओं की कार्यशील जनसंख्या 57.26%, उत्तराखण्ड राज्य में यह 16.16% एवं रूद्रप्रयाग जनपद में यह 32.31% है। इस प्रकार अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में महिलाओं की कार्यशील जनसंख्या देश, राज्य एवं जनपद की महिलाओं की कार्यशील जनसंख्या के प्रतिशत से

अधिक है जिसका प्रमुख कारण यह है कि अगस्त्यमुनि विकासखण्ड पर्वतीय क्षेत्र है एवं यहॉ महिलाएँ पुरूषों के सापेक्ष प्राथमिक कार्यो में अधिक सलग्न है किन्तु 2001 से 2011 के मध्य महिलाओं की कुल कार्यशील जनसंख्या में कमी दर्ज की गयी है जिसका प्रमुख कारण कृषि उत्पादन में कमी, जनसंख्या का स्थानान्तरण आदि है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में महिलाओं की सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत 2001 एवं 2011 में क्रमशः 27.29% एवं 39.41% रहा है जबकि भारत में यह 42.73%, उत्तरॉखण्ड में यह 47.92% एवं रूद्रप्रयाग जनपद में 36.34% रहा है। इस प्रकार विकासखण्ड में सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत देश, राज्य एवं जनपद से कम रहा है किन्तु 2001 से 2011 के मध्य विकासखण्ड में इस प्रतिशत में वृद्धि हुई है जो कि 12.12% रही है। इस प्रकार विकासखण्ड में मुख्य कार्यशील जनसंख्या का स्थानान्तरण सीमान्त कार्यशील जनसंख्या में हुआ है जिसका प्रमुख कारण कृषि में उत्पादन की घटती दर , स्थानान्तरण एवं अन्य रोजगारों में सलग्नता है।

सन्दर्भ सूचीः–

Census of India 2001, 2011

Census handbook Rudraprayag 2011

https://en.wikipedia.org/wiki/Economy_of_India

Shiva FAO 1991

Ministery of woman and child developemnt uttarakhand

Statistical profile on Woman Labour, Labour bureau Ministry of Labour & Employment department, Government of India, Chandigarh/ Shimla 2012-13.

जैन, एस.सी. (1999) : भारत का भूगोल, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स।

कठैत सिहं लक्षमण (2005), ''जनपद रूद्रप्रयाग में ग्रामीण विकास कार्यक्रम का ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आर्थिक प्रभाव'' अर्थशान्त्र विभाग, हे0न0ब0 गढवाल विश्वविद्यालय, अप्रकाशित शोध ग्रन्थ।